अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2022-23

विषय - हिन्दी

समय : 3 घंटे | कक्षा - 12 वीं | पूर्णांक- 80

निर्देश (1) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। (2) प्रश्न क्र. 01 से 05 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। जिनके लिए 1x32=32 अंक निर्धारित है। (3) प्रश्न क्र. 06 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है। शब्द सीमा 30 शब्द है। (4) प्रश्न क्र. 16 से 19 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। शब्द सीमा 75 शब्द है। (5) प्रश्न क्र. 20 से 23 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। शब्द सीमा 120 शब्द है।

प्र.1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(1) हरिवंश राय बच्चन की प्रमुख रचना है।
(अ) मधुशाला (ब) कामायनी (स) लोकायतन (द) प्रिय-प्रवास

(2) शरारती बच्चे के समान खेल रही थी-
(अ) हंसी (ब) बात (स) भाषा (द) चूड़ी

(3) लुट्टनसिंह की प्रेरणा थी-
(अ) ढोलक (ब) बांसुरी (स) मंजीरा (द) वीणा

(4) जूझ उपन्यास की भाषा मूलतः है।
(अ) हिन्दी (ब) अंग्रेजी (स) मराठी (द) हिंदुस्तानी

(5) टी.वी. पर प्रसारित खबरों में सबसे महत्वपूर्ण है।
(अ) विजुअल (ब) नेट (स) बाइट (द) उपरोक्त सभी

(6) निम्न में से किसका संबंध पत्र लेखन से नहीं है-
(अ) संबोधन (ब) विषय (स) प्रस्तावना (द) भवदीय

प्र.2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों का प्रयोग कर कीजिए-

(1) बच्चे ..... होंगे (निराशा / प्रत्याशा)

(2) रस को स्थायी भाव ..... है (उत्साह/शोक)

(3) यशोधर बाबू दफ्तर से निकलकर पहले ..... जाते हैं।
(साई मंदिर/ बिरला मंदिर)

(4) ज्ञानाश्रयी शाखा के कवि हैं ..... (कबीरदास / तुलसीदास)

(5) अर्थ के आधार पर वाक्य को ..... भागों में विभाजित किया गया है।
(तीन / आठ)

(6) शब्द के पूर्व लगने वाले शब्दांश ..... कहलाते है। (प्रत्यय / उपसर्ग)

(7) वीर रस प्रधान कविताओं में ..... गुण होता है। (प्रसाद / भोज)

CamScanner

प्र.3. सही जोड़ी बनाइये-

(1) सरलार्थ	16-16 मात्राएँ
(2) राख से लीपा हुआ चौका	अभिधा
(3) सिल्वर वैडिंग	दशोधर-पंत
(4) चौपाई	भोर का नभ
(5) हजारी प्रसाद द्विवेदी	लक्ष्मी
(6) भक्तिन	शिरीष के फूल

प्र.4. एक वाक्य में उत्तर लिखिए-

(1) ऊषा का जादू कब टूटता है?

(2) लुट्टन सिंह ने किसे हराया था?

(3) का वर्षा जब कृषी सुखाने। समय चुके पुनि का पछिताने का क्या अर्थ है?

(4) किशोरों की टोली को क्या नाम दिया गया है?

(5) कविता की परिभाषा दीजिए।

(6) क्रिया-विशेषण की परिभाषा लिखिए।

(7) संचार किसे कहते हैं?

प्र.5. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) पर्चेजिंग पावर का अर्थ क्रयशक्ति से है।

(2) शीतल वाणी में आग में विरोधाभास है।

(3) निरक्षरों के लिए मुद्रित माध्यम बहुत उपयोगी होते हैं।

(4) अट्टालिकाएं वास्तव में आतंक के भवन है।

(5) गणों की संख्या 10 है।

(6) अनपढ़ व्यक्ति साक्षर कहलाता है।

प्र.6. 'शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ- इस कथन से कवि का क्या आशय है?

अथवा बच्चे किस आशा से नीड़ों से झांक रहे होंगे?

प्र.7. पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं, से कवि का क्या आशय है?

अथवा उड़ने और खिलने का कविता से क्या संबंध बनता है?

प्र.8. कैमरे में बंद अपाहिज कविता के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

अथवा उषा कविता में भोर के नभ की तुलना किससे की गई है और क्यों?

प्र.9. भारतेंदु युग की दो विशेषताएँ बताइये।

अथवा भक्तिकाल की दो विशेषताएँ लिखिए।

प्र.10. निबंध किसे कहते हैं? कोई भारतीय विद्वान की परिभाषा लिखिए।

अथवा समाचार क्या है?

प्र.11. भक्तिन अपना वास्तविक अथवा नाम क्यों छुपाती है?

CamScanner

अथवा बाजार में भगतजी के व्यक्तित्व का सशक्त पहलू बताइये।

प्र.12. यशोधर बाबू के चरित्र की दो विशेषताएँ बताइये।

अथवा 'जूझ' शीर्षक के औचित्य को समझाइये।

प्र.13. तकनीकी शब्द क्या होते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा निपात की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्र.14. शब्द-युग्म किसे कहते हैं?

अथवा अर्थ की दृष्टि से वाक्यों के प्रकार बताइए।

प्र.15. टेलीविजन के गुण एवं दोषों को लिखिये।

अथवा पटकथा को समझाइये।

प्र.16. शमशेर बहादुर सिंह अथवा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर दीजिए-

(अ) दो रचनाएँ (ब) भाव एवं कला पक्ष (स) साहित्य में स्थान

प्र.17. महादेवी वर्मा अथवा धर्मवीर भारती का परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर लिखिए-

(अ) दो रचनाएं (ब) साहित्यिक विशेषताएं (स) साहित्य में स्थान

प्र.18. देश में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार विषय पर दो नागरिकों के मध्य संवाद लिखिए।

अथवा **निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए।**

(1) हम लोग कुशलपूर्वक से हैं।

(2) इस ग्रंथ का सृजन कौन ने किया है।

(3) वह गरम गुनगुने पानी में पाँव डाले बैठा है।

प्र.19. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

मातृभाषा ने केवल बच्चों के बौद्धिक विकास में सहायक होती है, अपितु यह उनको अपनी संस्कृति से परिचित कराकर उनके अंदर सांस्कृतिक गौरव और आत्मविश्वास भी जाग्रत करती है। किसी भी व्यक्ति की भावनाएं एवं उद्‌गार अपनी मातृभाषा में ही अच्छी प्रकार से व्यक्त होते हैं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र भक्ति की भावनाओं को जाग्रत करने में मातृभाषा हिन्दी का अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है।

(1) उपर्युक्त वाक्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(2) मातृभाषा व्यक्ति के भीतर किन भावों को जगाती है?

(3) स्वतंत्रता आंदोलन में मातृभाषा का क्या योगदान है?

प्र.20. **निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए-**

सबसे तेज बौछारें गयीं भादों गया सबेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साईकिल तेज चलाते हुए
घंटी बजाते हुए जोर-जोर से

अथवा बहुत काली सिल जरा से
लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो

प्र.21. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए-

अंधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी। निस्तब्धता करुण, सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी। आकाश में तारे चमक रहे थे। पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं। आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।

अथवा पानी की आशा पर जैसे सारा जीवन आकर टिक गया हो। बस एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों ओर पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी -बाल्टी भर-भर कर इन पर क्यों फेंकते हैं? कैसी निर्मम बरबादी है पानी की। देश की कितनी क्षति होती है, इस तरह के अंध-विश्वासों से। कौन कहता है इन्हें इंद्र की सेना।

प्र.22. जबलपुर नगर निगम के निगमायुक्त को नियमित जल आपूर्ति करवाने हेतु आवेदन-पत्र लिखिए।

अथवा अपनी छोटी बहिन को दूरदर्शन लगातार देखने के दुष्परिणामों को बताते हुए एक पत्र लिखिए।

प्र.23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए-

(1) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या
(2) स्वच्छता अभियान
(3) आजादी का अमृत महोत्सव
(4) बढ़ती महंगाई

●●●

CamScanner

Qu. 6

शीतल पानी में आग के होने का क्या अभिप्राय है ?

शीतल वाणी में आग के होने का अभिप्राय है कि कवि की वाणी में कोमलता और मधुरता है किन्तु हृदय में प्रेम के सन्दर्भ में चलने वाले अंतर्द्वंद्व के कारण प्रेमरहित संसार के प्रति असंतोष और विद्रोह की भावना भी है।

Or

प्र.6, बच्चे किस बात की आशा मे नीड़ो से झाँक रहे होंगे।

उ.) बच्चे अपने माता-पिता के शीघ्र लौटने की आशा मे नीड़ो से झाक रहे होंगे उनके माता-पिता उनके लिए भोजन की तलाश मे सुबह जल्दी घोंसले से निकले होंगे।

Qu. 7

प्र.) उड़ने और खिलने का कविता से क्या सम्बन्ध बनता है ?

Or

उ.) कविता का उड़ने से गहरा सम्बन्ध है। चिड़िया सहित सभी पंछी अपने परों के सहारे ऊँची उडाने भरते हैं। चिड़िया को कभी-कभी थककर वापस धरती पर लौटना होता है। यह उड़ने और खिलने से सम्बन्ध है।

Qu. 9

भारतेन्दु युग की विशेषताएँ –

① भारतेन्दु युग में परम्परा से चले आते हुए छन्दों का दुरुपयोग किया है।
② राष्ट्रीयता की भावना।
③ सामाजिक चेतना का विकास –
④ अंग्रेजी शिक्षा का विरोध

Qu. 9 or

भक्तिकाल की विशेषताएँ

① ईश्वर के प्रति उत्कृष्ट प्रेम
② समानता का भाव
③ गुरु की महिमा एवं नाम स्मरण
④ शास्त्र ज्ञान की अनावश्यकता।
⑤ भाषा शैली

Qu. 10 - निबन्ध - किसी एक विषय पर विचारो को क्रमबद्ध कर सुंदर और सुबोध भाषा मे लिखी रचना को निबन्ध कहते हैं

Qu. 12- यशोधर बाबु के चरित्र की विशेषता - संस्कारी, आदर्श पिता, सादगी पसंद

Qu. 13 अथवा -
निपात-किसी भी बात पर अतिरिक्त भार देने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है उसे निपात कहते हैं

CamScanner

27. सत्य, 28. सत्य, 29. सत्य 30. असत्य 31. सत्य, 32. सत्य, 33. असत्य, 34. सत्य, 35. असत्य, 36. सत्य

लघु उत्तरीय प्रश्न (02 अंक)

1. भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था? वेद अपने इस नाम को क्या छुपाती रही?

उत्तर- भक्तिन का वास्तविक नाम था लक्ष्मी या लछमी। उसे यह नाम उसके माता-पिता ने दिया होगा। उन्होंने सोचा होगा कि उसके पैदा होने पर वे धन-धान्य से भरपूर हो जाएंगे। यह लड़की जहाँ भी जाएगी, वहीं धन की वर्षा होगी। परन्तु हुआ इसके विपरीत। उसने लक्ष्मी बनने की कोशिश बहुत की, परन्तु अपने ही ससुराल वालों ने उसे दाने-दाने को मोहताज कर दिया। ऐसी निर्धन दशा में वह स्वयं को लक्ष्मी नहीं कहलवाना चाहती

उनका पद प्रोफेसर का है।

6. यशोधर बाबू के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- यशोधर बाबू परम्परावादी धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।

(ii) वे कर्मकाण्ड के खिलाफ थे।

(iii) वे खुशी व गम के हर मौके पर रिश्तेदारों के यहाँ जाते थे।

(iv) उन्हें दिखावा पसंद नहीं था।

(v) वे ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ थे।

7. फ्रिज के संबंध में यशोधर बाबू के क्या विचार हैं?

उत्तर- फ्रिज के सम्बन्ध में यशोधर बाबू यही कहते हैं कि

टेक्नीकल (Technical) शब्द का हिन्दी पर्याय है। Technica शब्द ग्रीक भाषा के Technikoi से ग्रहित है। जो किसी निर्मि अथवा खोजी गई वस्तु अथवा विचार को व्यक्त करता हो।

4. न्याय विधि संबंधी पांच तकनीकी शब्द बताइए

उत्तर- न्याय विधि संबंधी पांच तकनीकी- Advocate (अधिवक्ता), Appeal (अभ्यावेदन), Bill (जमानत), न्यायालय (Court), वैद्य (Legal)

5. निपात की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर- किसी बात पर बल देने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है वे निपात कहलाते है।

उदाहरण- हमारा वतन तो जी भारत ही है।

यहां "ही" निपात है।

CamScanner

अर्थ के आधार पर वाक्य भेद

अर्थ के आधार पर वाक्य के निम्नलिखित आठ भेद होते हैं

1. विधानवाचक वाक्य (Affirmative Sentence)
2. निषेधात्मक वाक्य (Negative Sentence)
3. प्रश्नवाचकवाक्य (Interrogative Sentence)
4. विस्मयादिबोधक वाक्य (Interjective Sentence)
5. आज्ञा वाचक (Order Sentence)
6. इच्छावाचक (Sentence Denoting Desire)
7. संदेह वाचक (Doubtful Sentence)
8. संकेत वाचक वाक्य (Indicative Sentence)

Basicstudy.in

CamScanner

आ गई। जी न्यूज, स्टार न्यूज जैसे स्वतंत्र समाचार चैनल शुरू हुए। सन् 2002 में "आज तक" ने प्रवेश कर कड़ी टक्कर दी। आज लगभग 900 चैनल कार्यरत हैं।

टेलीविजन से लाभ—टेलीविजन से निम्नलिखित लाभ होते हैं—

(i) यह दृश्य एवं श्रव्य माध्यम होने के कारण अधिक प्रभावी है। इसमें सूचना एवं जानकारी सुनने के साथ-साथ देख भी सकते हैं।

(ii) किसी भी घटना का सीधा प्रसारण देखा जा सकता है।

CamScanner

(iii) दिन भर समाचार प्राप्त होता रहता है।
(iv) ये न केवल समाचार बल्कि मनोरंजन व ज्ञान प्रदान करने का भी साधन है।

टेलीविजन से हानि— टेलीविजन से निम्नलिखित हानि होती है—
(i) टेलीविजन पर दिखाये गये कई कार्यक्रमों का समाज पर विशेषकर बच्चों पर बुरा असर होता है।
(ii) टेलीविजन को अत्यधिक प्रयोग में लाये जाने के कारण समय व्यर्थ होता है।
(iii) यह जनसंचार का महँगा साधन है। इसके लिए बिजली की अनिवार्यता होती है।

सिनेमा—सिनेमा का आविष्कार फ्रांस के ल्यूमियर ब्रदर (ऑगस्टे एवं लुईस) ने की थी। विश्व की ... श्याम–श्वेत फिल्म थी, जो 1895 में प्रदर्शित

... से 1982 तक प्रधान संपादक रहे। 1982 से 1990 तक स्वतंत्र लेखन किया। कवि होने के साथ-साथ निबंध लेखक, कथाकार तथा आलोचक रहे।

4. शमशेर बहादुर सिंह

जन्म—13 जनवरी, 1911

मृत्यु—12 मई, 1993

जीवन परिचय—शमशेर बहादुर सिंह का जन्म देहरादून में 13 जनवरी, 1911 को हुआ। उनके पिता का नाम तारीफ सिंह था और माँ का नाम परम देवी था। इनकी मृत्यु 12 मई, 1993 को हुई।

शिक्षा—इनकी आरंभिक शिक्षा देहरादून में हुई और हाईस्कूल-इंटर की परीक्षा गोंडा से दी। बी. ए. इलाहाबाद से किया। किन्हीं कारणों से एम. ए. फाइनल न कर सके। 1935-36 में उकील बंधुओं से पेंटिंग कला सीखी।

व्यक्तित्व—उनके जीवन का अभाव कविता में विभाव बनकर हमेशा मौजूद रहा। वामपंथी विचारधारा और प्रगतिशील साहित्य से प्रभावित रहे। उन्होंने स्वाधीनता और क्रांति को अपनी निजी चीज की तरह अपनाया।

रचनाएँ—कुछ कविताएँ, कुछ और कविताएँ, शमशेर बहादुर सिंह की कविताएँ, उदिता, अभिव्यक्ति का संघर्ष, इतने पास अपने, चूका भी हूँ नहीं मैं, बात बोलेगी, काल तुझसे होड़ है मेरी, शमशेर की गजलें।

09/11/2024
Akata

भाषा—हिन्दी तथा उर्दू के कवि हैं। इनकी शैली अंग्रेजी के कवि **एजरापाउण्ड** से प्रभावित है। विचारों के स्तर पर प्रगतिशील और शिल्प के स्तर पर प्रयोगधर्मी कवि, बिंबधर्मी शब्दों से रंग, रेखा, स्वर और कूची की अद्‌भुत कशीदाकारी करते हैं। उर्दू शायरी में संज्ञा, विशेषणों से अधिक बल सर्वनामों, क्रियाओं अव्ययों और मुहावरों को दिया है।

साहित्य में स्थान— 1977 को साहित्य अकादमी पुरस्कार 'चूका भी हूँ नहीं मैं' के लिए। मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार, 1989 कबीर सम्मान से सम्मानित हुए।

5. तुलसीदास जी

CamScanner

साहित्य में स्थान—इन्हें 1967 में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनके द्वारा रचित एक समालोचना कविनी श्रद्धा के लिए इन्हें 1973 में साहित्य अकादमी पुरस्कार (गुजराती) से सम्मानित किया गया। डी. लिट् की उपाधि से भी सम्मानित किया गया।

(ब) लेखक परिचय

1. महादेवी वर्मा

जन्म— 26 मार्च, 1907 **मृत्यु— 11 सितंबर, 1987**

जीवन परिचय—हिन्दी की सर्वाधिक प्रतिभावान कवयित्रियों और छायावाद के प्रमुख स्तंभों में से महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप माने जाने वाली महादेवी वर्मा जी का जन्म 26 मार्च 1907 को फर्रुखाबाद, उत्तरप्रदेश के एक सम्पन्न परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम बाबू गोविंद प्रसाद वर्मा एवं माता का नाम हेमरानी वर्मा था।

शिक्षा—महादेवी जी की प्रारंभिक शिक्षा इंदौर के मिशन स्कूल में हुई। उन्होंने संस्कृत, अंग्रेजी, संगीत व चित्रकला की शिक्षा प्राप्त की। 1925 में मैट्रिक की परीक्षा पास की। विद्यार्थी जीवन से ही वे राष्ट्रीय और सामाजिक जागृति संबंधी कविताएँ लिखती थीं।

व्यक्तित्व—शांत व गंभीर स्वभाव की महादेवी में शैशवावस्था से ही जीव मात्र के प्रति करुणा और दया थी। उनके व्यक्तित्व में पीड़ा, करुणा, वेदना, विद्रोहीपन, अहं-दार्शनिकता और आध्यात्मिकता कूट-कूट कर भरी थी। उनकी रचनाओं में उनके व्यक्तित्व की सूक्ष्म एवं कोमल अनुभूतियों की अभिव्यक्ति स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

रचनाएँ— इन्होंने गद्य, पद्य, चित्रकला एवं बाल साहित्यों की रचना की।

काव्य (पद्य)— नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, दीपशिखा काव्य संकलन (यामा, दीपगीत, स्मारिका, परिक्रमा आदि)।

रेखाचित्र — अतीत के चलचित्र, स्मृति की रेखाएँ

संस्मरण — पथ के साथी, मेरा परिवार

निबंध संग्रह — श्रृंखला की कड़ियाँ, विवेचनात्मक गद्य, संकल्पिता, साहित्यकार की आस्था।

CamScanner

साहित्यिक विशेषताएँ (भावपक्ष)—

1. इनकी काव्य रचनाओं में आत्मा परमात्मा के मिलन एवं विरह की छाया स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।
2. रचनाओं में निराशावाद एवं पीड़ावाद को स्थान दिया।
3. लौकिक वेदना से भिन्न आध्यात्मिक वेदना सहज ही देखने को मिलता है।
4. हृदय की अनुभूतियों को अपनी रचनाओं में स्थान दिया है।
5. रचनाओं में जिज्ञासा, आस्था, अद्वैतभाव, प्रणय एवं विरह अनुभूतियाँ रहस्यवाद का निर्माण करती हैं।
6. नारी स्वतंत्रता, समाज सुधार, शोषण के विरुद्ध अनूठे चित्र दिखाई पड़ते हैं।

भाषाशैली (कलापक्ष)—

1. प्रारंभिक कविताएँ ब्रजभाषा की थी। इसके पश्चात् संपूर्ण रचनाओं में संस्कृत मिश्रित खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है।
2. भाषा मधुर, कोमल व प्रवाहपूर्ण सरल है।
3. काव्य में रस-छंद, अलंकार, शिल्प और प्रतीक का प्रयोग किया गया है।
4. गद्य रचनाओं में वर्णात्मक, विचारात्मक, समीक्षात्मक, भावात्मक शैली अपनाया गया है।
5. भक्तिन पाठ में विशेष रूप से तत्सम व ठेठ ग्रामीण शब्दों और लोकभाषा का प्रयोग स्पष्ट दिखाई पड़ता है।

साहित्य में स्थान—1943 में महादेवी जी को **मंगलाप्रसाद पुरस्कार** एवं भारत भारती पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1956 में **पद्म भूषण** एवं मरणोपरांत **पद्म विभूषण** उपाधि भारत सरकार द्वारा दी गई। 1984 में बनारस हिन्दू विश्वद्यिालय ने **डी.लिट** की उपाधि से सम्मानित किया। भारत का सर्वोच्च सांहित्यिक सम्मान **ज्ञानपीठ पुरस्कार** भी प्रदान किया गया। 1991 में जयशंकर प्रसाद के साथ इनके सम्मान में 2 रुपए का एक युगल टिकट भी जारी किया गया।

2. जैनेन्द्र कुमार

जन्म— 1905 **मत्य— 1990**

सेवा में,

निगमायुक्त,

नगर निगम,

जबलपुर (म.प्र.)

विषय : नियमित जल आपूर्ति करवाने बावत् |

महोदय,

नम निवेदन है कि , मैं सदर क्षेत्र का निवासी हूँ और यहाँ जल आपूर्ति का कार्य नगर निगम द्वारा संचालित होता है| और विगत कुछ दिनों से यहाँ नियमित पानी कि आपूर्ति नहीं कि जा रही है कभी 1 दिन कभी 2 दिन के अन्तराल में पानी आता है जिस से हम रहवासियों का जीवन दूभर हो गया है| अधिकारियों से बात करने पर संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जाता है इसलिए विवश हो कर आपको आवेदन करना पड़ रहा है कृपया समस्या का समाधान करे|

धन्यवाद,

दिनांक : 02 मार्च 2023

आपके क्षेत्र का नागरिक

विनय मोहन दुबे

मकान नंबर २२ ,

सदर क्षेत्र

जबलपुर

CamScanner

(3) [illegible] पर जाने से बचें तथा अन्य लोगों की भीड़ में सतर्क रहें।

(4) संक्रमित इलाके या व्यक्ति के संपर्क में रहें तो स्वयं को दूसरों से दूर रखें।

कोरोना वायरस को लेकर लोगों में एक अलग ही बेचैनी देखने को मिलती है किन्तु कोरोना का वायरस शरीर के बाहर बहुत ज्यादा समय तक जिंदा नहीं रह सकता। अतः सावधानी ही बचाव है। कोरोना वायरस के इलाज हेतु वैक्सिन विकसित करने पर काम चल रहा है। इस वर्ष के अंत तक इंसानों पर इसका परीक्षण कर लिया जायेगा। कुछ अस्पतालों में एंटीवायरस दवा का भी परीक्षण चल रहा है। इसके अतिरिक्त सरकार ने अफवाहों से बचने और स्वयं की सुरक्षा के लिए कुछ निर्देश जारी किये हैं, जिससे कि कोरोना वायरस से निपटा जा सके।

5. कमर-तोड़ महँगाई

महँगाई देश की एक आर्थिक समस्या ही नहीं है बल्कि इसका प्रभाव कई अन्य समस्याओं को भी जन्म देता है। सारा विश्व महँगाई रूपी दैत्य से पीड़ित है। आजादी के बाद भारत में तीन चीजें हमेशा बढ़ती रही है— भ्रष्टाचार, असमानता और महँगाई। इन तीनों को सगी बहनें माना गया है, जो साथ-साथ बढ़ती हैं। भ्रष्टाचार, कालाबाजारी आदि से महँगाई बढ़ती है। धनी और अधिक धनी और गरीब और अधिक गरीब होते जाते हैं। सब्जी, दाल, फल, अनाज, डीजल, पेट्रोल, मकानों के किराये बेतहाशा बढ़ रहे हैं। वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि का क्रम इतना तीव्र है, कि दिन-दूना रात-चौगुना बढ़ता है। महँगाई के बहुत से कारण हैं जैसे बढ़ती हुई जनसंख्या, कृषि उत्पादन संबंधी व्यय में वृद्धि, वस्तुओं की आपूर्ति में कमी, मुद्रा प्रसार, प्रशासन में शिथिलता, घाटे का आर्थिक बजट, असंगठित उपभोक्ता, संसाधनों का धीमा विकास, धन का असमान वितरण, जमाखोरी एवं प्राकृतिक कारण।

महँगाई को दूर करने के लिए सरकार को योजनाबद्ध कार्यक्रम बनाने होंगे। किसान को सस्ते मूल्य पर खाद, बीज, कृषि उपकरण आदि उपलब्ध कराने होंगे। जिससे कृषि उत्पादों की कीमत में गिरावट आयेगी। मुद्रा प्रसार को रोकने के लिए घाटे के बजट की व्यवस्था समाप्त करनी होगी। जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे। शासन-प्रशासन स्तर पर पनप रहे भ्रष्टाचार पर लगाम आवश्यक है। कर्मचारियों की कार्य निष्पादन क्षमता में वृद्धि करना भी जरूरी है।

वास्तव में महँगाई एक बेलगाम घोड़ी है जिसकी नाक में नकेल रखना सरकार का ही काम है। लेकिन हमारा दुर्भाग्य यह है कि सरकारी अधिकारी और नेता मिलकर लूटने का कार्य करते हैं, इसलिए महँगाई सुरसा के मुँह की तरह फैलती जा रही है। इस भीषण समस्या के निदान हेतु दलगत, जातिगत स्वार्थ को छोड़कर एकजुट होना पड़ेगा, इसके खिलाफ संघर्ष करना पड़ेगा।

CamScanner